सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास निदेशालय, उत्तर प्रदेश

SAINIK KALYAN
EVAM PUNARWAS
UTTAR PRADESH
Salutes the
HEROES

EDITORIAL DESK

CONCEIVED BY :
BRIG RAVI
DIRECTOR
U.P. SAINIK KALYAN EVAM PUNARWAS

COMPILED BY :
WG CDR MUKESH TEWARI
ZSKO, GORAKHPUR

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राज भवन
लखनऊ – 226 027

सत्यमेव जयते

दिनांक – 05 जून, 2024

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि निदेशालय सैनिक कल्याण एंव पुनर्वास, उत्तर प्रदेश द्वारा ´काफी टेबल बुक´ का प्रकाशन किया जा रहा है।

भारत के सैनिक अदम्य साहस, सर्वोच्च बलिदान, और देश भक्ति की प्रेरणादायक मिसाल और देश के सच्चे प्रहरी हैं। मै आशा करती हूँ कि प्रकाश्य पुस्तक सैन्य इतिहास की धरोहरों को सजीव बनाये रखने और सैनिक कल्याण के प्रति जनसामान्य में जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

मैं ´काफी टेबल बुक´´ के सफल प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनाए प्रेषित करती हूँ।

(आनंदीबेन पटेल)

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन,
लखनऊ – 226001

दिनांक – 11 जून 2024

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि निदेशालय, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, उत्तर प्रदेश द्वारा एक कॉफी टेबल बुक का प्रकाशन किया जा रहा है।

भारतीय सेना अपनी वीरता, शौर्य और साहस के लिए विश्व विख्यात है। देश की एकता, अखण्डता और सम्प्रभुता की रक्षा करने के लिए दुर्गम एवं सुदूर क्षेत्रों में तैनात हमारे सैनिक, जिस परम वीरता और शौर्य से अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं, उसके लिए प्रत्येक भारतवासी को उन पर गर्व है। यह गौरव और सम्मान की बात है कि देश की सशस्त्र सेनाओं में उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक सैनिक कार्यरत हैं।

राज्य सरकार समस्त सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों के शैक्षिक एवं आर्थिक विकास के लिए कृत संकल्प है। निदेशालय, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास द्वारा सैनिकों के कल्याण हेतु विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इनके माध्यम से अधिक से अधिक पात्र जरूरतमंद सैनिकों, वीरता पुरस्कार विजेताओं और वीर नारियों को लाभान्वित किया गया है, जिसका विवरण कॉफी टेबल बुक में परिलक्षित है।

प्रदेश में सैनिक कल्याण की विरासत/धरोहरों को संरक्षित करने व प्रदेश के गौरवपूर्ण सैन्य इतिहास को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से कॉफी टेबल बुक का प्रकाशन सराहनीय है। मुझे आशा है कि यह कॉफी टेबल बुक पाठकों के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगी।

कॉफी टेबल बुक के उद्देश्यपरक प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

दुर्गा शंकर मिश्र
मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश

दुर्गा शंकर मिश्र
मुख्य सचिव
Durga Shanker Mishra
Chief Secretary

उत्तर प्रदेश शासन
लोक भवन, लखनऊ – 226001
Government of Uttar Pradesh
Lok Bhawan, Lucknow-226001

दिनांक – 05 जून 2024

संदेश

हर्ष का विषय है कि सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास निदेशालय, उ0प्र0 द्वारा ´´कॉफी टेबल बुक´´ प्रकाशित की जा रही है। इसमें निदेशालय द्वारा सेवानिवृत्त सैनिकों के कल्याण के लिये किये जा रहे कार्य प्रदर्शित किये जायेंगे।

2. इस कॉफी टेबल बुक में सैनिक कल्याण की विरासत व सैनिक ग्रामों के बारे में जानकारी को संजोने का प्रयास किया गया है। यह एक सराहनीय प्रयास है।

3. मैं निदेशालय के इस कार्य की सराहना करता हूँ। आशा करता हूँ कि यह ´´कॉफी टेबल बुक´´ उपयोगी सिद्ध होगी।

4. पुस्तक के प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(दुर्गा शंकर मिश्रा)

डॉ0 हरिओम,
I.A.S.
प्रमुख सचिव

अर्द्ध0शा0प0सं0–
समाज कल्याण विभाग,
उ0प्र0 शासन।
बापू भवन, पंचम तल, फेस– II
कक्ष संख्या – 532
का0 दूरभाष संख्या – 0522–2238674

दिनांक – 12 जून 2024

डॉ0 हरिओम
प्रमुख सचिव

संदेश

मुझे हर्ष है कि निदेशालय सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास उ0प्र0 द्वारा ''कॉफी टेबल बुक'' का प्रकाशन किया जा रहा है। सैनिकों के साहस, शौर्य, बलिदान एवं देशभक्ति को सम्मान देना उत्तर प्रदेश की परम्परा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार सेवानिवृत्त शहीद सैनिकों, वीर नारियों, वीरता एवं विशिष्ट पदक विजेताओं व उनके परिवार के कल्याण हेतु कृत संकल्प है। राज्य की समृद्ध सैन्य विरासत एवं पूर्व सैनिकों के कल्याणार्थ किये जा रहे प्रयासों को रेखांकित करने वाली यह पुस्तक निस्संदेह ही सूचनाप्रद एवं उपयोगी होगी।

''कॉफी टेबल बुक'' के प्रकाशन अवसर पर निदेशालय, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को मेरी ओर से बधाई।

(डॉ0 हरिओम)

ब्रिगेडियर रवि (अ0प्रा0)
निदेशक

ब्रिगेडियर रवि (अ0प्रा0)
निदेशक

Brigadier Ravi (Retd)
Director

निदेशालय सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, उ0 प्र0
करियप्पा भवन, कैसरबाग, लखनऊ–226001
दूरभाष : 0522–2625354, 0522–2623909
Dte Sainik Kalyan Evam Punarvas, UP
Cariappa Bhawan, Kaiserbagh,
Lucknow-226001
Phone/Fax: 0522-2625354, 0522-2623909
Email: dirskpnlu-up@nic.in

07 जून 2024

संदेश

उत्तर प्रदेश सरकार का सैनिक कल्याण विभाग, निदेशालय तथा प्रदेश के 75 जनपदों में स्थापित जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय सेवानिवृत्त सैनिकों व उनके आश्रितों तक राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा देय कल्याण एवं पुनर्वास सुविधाओं को पहुंचाने के लिए सतत् प्रयत्नशील है। विभाग की सर्वश्रेष्ठ कार्य प्रणाली के आधार पर उत्तर प्रदेश सैनिक कल्याण विभाग को अन्य समस्त राज्यों में उच्च एवं अग्रणी स्थान प्राप्त है।

''काफी टेबल बुक'' प्रकाशित करने का उद्देश्य प्रदेश के गौरवपूर्ण सैन्य इतिहास और देश की रक्षा में हमारे प्रदेश के सैनिकों के स्वर्णिम योगदान को आगे लाना है ताकि हमारी भावी पीढ़ी सैनिकों के इतिहास को एक स्थान पर पढ़कर गौरवान्वित महसूस कर सके और प्रेरणा ले सके। इस ''काफी टेबल बुक'' में सैनिक कल्याण विभाग की कल्याणकारी योजनाओं का सचित्र विवरण इंगित करने का प्रयास किया है।

मुझे आशा है कि निदेशालय द्वारा प्रकाशित कराई जा रही ''काफी टेबल बुक'' सन्दर्भ पुस्तिका के रूप में सैनिकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

(ब्रिगेडियर रवि)

राज्य सैनिक बोर्ड

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की सैनिक छवि

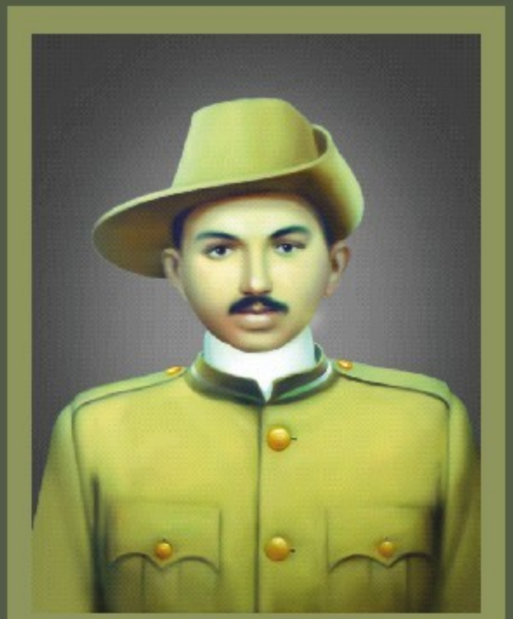

महात्मा गाँधी ने अपने व्यक्तिगत धर्म के परिपालन हेतु और अपनी अनन्त करूणा से प्रेरित होकर सैनिक की वर्दी 1900–1901 में 'बोअर युद्ध' और 1906 में 'जुलू रिवैलियन' में धारण की थी। इस युद्ध में गाँधी जी ने एक इण्डियन एम्बुलेन्स प्लाटून का गठन किया और घमासान युद्ध में हताहतों की सेवा की। उन्हें उनके अविचल शौर्य के लिए दो बार 'मेन्शन–इन–डिस्पैच' दिया गया तथा युद्ध के अन्त में उन्हें चार अन्य मेडल भी दिये गये थे। उनके इस महान कार्य का स्मरण हम सब सैनिकों को गौरवान्वित करता है।

उत्तर प्रदेश सैनिक कल्याण निदेशालय

विरासत

निदेशालय सैनिक कल्याण की स्थापना सन् 1917 में 'वार बोर्ड' के नाम से उत्तर प्रदेश के सचिवालय में हुई। दो वर्ष पश्चात ही सन् 1919 में इसका नाम परिवर्तित कर 'प्रान्तीय सोल्जर्स बोर्ड' कर दिया गया। उस समय यह सचिवालय के एक विभाग के रूप में काम करता था। द्वितीय विश्व युध्द के समय अप्रैल 1942 में इसे सचिवालय से राजभवन में स्थानान्तरित कर दिया गया। अगस्त 1949 में इसके लिए अलग से एक सचिव की नियुक्ति की गयी। इसके कार्य की व्यापकता को देखते हुए सन् 1982 में इसे निदेशालय का स्तर प्रदान कर 'निदेशालय, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास' की स्थापना की गयी।

उत्तर प्रदेश सैनिक पुनर्वास निधि

उत्तर प्रदेश सैनिक पुनर्वास निधि का गठन 15 फरवरी 1983 को किया गया था। निधि का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिको / उनकी विधवाओं एवं आश्रितों के कल्याणार्थ विभिन्न योजनाओं का संचालन करना है।

उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम लि.
उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम
उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम लि0 की स्थापना 23 मई 1989 को पूर्व सैनिको, उनके आश्रितों तथा युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों के पुनर्वास एवं कल्याण हेतु की गई थी।

ज़रा याद उन्हें भी कर लो
अपने नायकों का सम्मान करना और उन्हें महत्व देना
हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है।

श्रृद्धांजलि

सन् 1971 के भारत – पाक युद्ध में भारत की विजय की 50वीं वर्षगांठ 'स्वर्णिम विजय' के अवसर पर 18 फरवरी 2021 को लखनऊ कैंट स्थित स्मारिका पर श्रद्धांजली देते हुए माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ।

प्रमुख सचिव द्वारा विजय दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रृद्धांजली

शहीद स्मारक – गहमर

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इस गांव से 228 सैनिको ने युद्ध में भाग लिया
जिसमें से 21 सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए।

शहीद स्मारक – अयोध्या

शहीद सैनिक स्मारक – गोरखपुर

मैंने आप के सुनहरे कल के लिए !!!

अपने आज की कुर्बानी दी है !!!

शहीद सैनिक स्मारक – कुशीनगर

शहीद सैनिक स्मारक – रायबरेली

शहीद सैनिक स्मारक – बरेली

अनुग्रह अनुदान

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शहीद सैनिक के परिवार को दिए जाने वाले अनुग्रह अनुदान की राशि 25 लाख से बढ़कर रूपये 50 लाख कर दी गयी है।
यह धनराशि शहीद के परिवार को जिलाधिकारी के माध्यम से 24 घंटे के अन्दर ही उपलब्ध करा दी जाती है।

पुत्री विवाह

उत्तर प्रदेश सैनिक पुनर्वास निधि द्वारा दिवंगत सैनिक की पुत्री विवाह हेतु
एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

सत्यमेव जयते
Rajni Devi
Give Luv Only

सैनिक कल्याण विभाग की योजनाएं

महामहिम राज्यपाल महोदया द्वारा पुत्रियों के विवाह हेतु आर्थिक सहायता

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण

उत्तर प्रदेश के निवासी सैन्य सेवा के सैनिक जो कर्तव्य पालन के दौरान देश की सीमा पर अंतर्राष्ट्रीय युद्ध, गोलाबारी, बैटल एक्सीडेंट, सीमा पर छुट-पुट / आतंकवादी घटनाओं तथा अराजक तत्वों की गतिविधियों में हुई हिंसा, प्राकृतिक आपदा एवं वाहन दुर्घटना में वीरगति प्राप्त सैनिकों के आश्रितों को उनकी शैक्षिक योग्यता के अनुसार समूह 'ग' एवं 'घ' में ज़िला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में सेवायोजन प्रदान किया किया जाता है।

प्रमुख सचिव द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण

जिलाधिकारी, कुशीनगर द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण

ज़िला सैनिक कल्याण अधिकारी, गोरखपुर द्वारा नियुक्ति

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, सहारनपुर द्वारा नियुक्ति

महामहिम राज्यपाल महोदया द्वारा ऑनलाइन योजना का शुभारंभ

डिजिटलीकरण की ओर बढ़ते कदम

प्रमुख सचिव सैनिक कल्याण द्वारा विभागीय ऑनलाइन सेवाओं का विमोचन

प्रमुख सचिव द्वारा सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह लगाते हुए

श्री दुर्गा शंकर मिश्र
मुख्य सचिव

ले. जनरल मुकेश चड्ढा

ले. जनरल विवेक कश्यप

ले. जनरल वाई डिमरी

मे. जनरल पंकज पी राव

महामहिम राज्यपाल महोदया द्वारा पैराप्लेजिक पुनर्वास केन्द्र किरकी एवं मोहाली को ऑनलाइन सम्बोधन

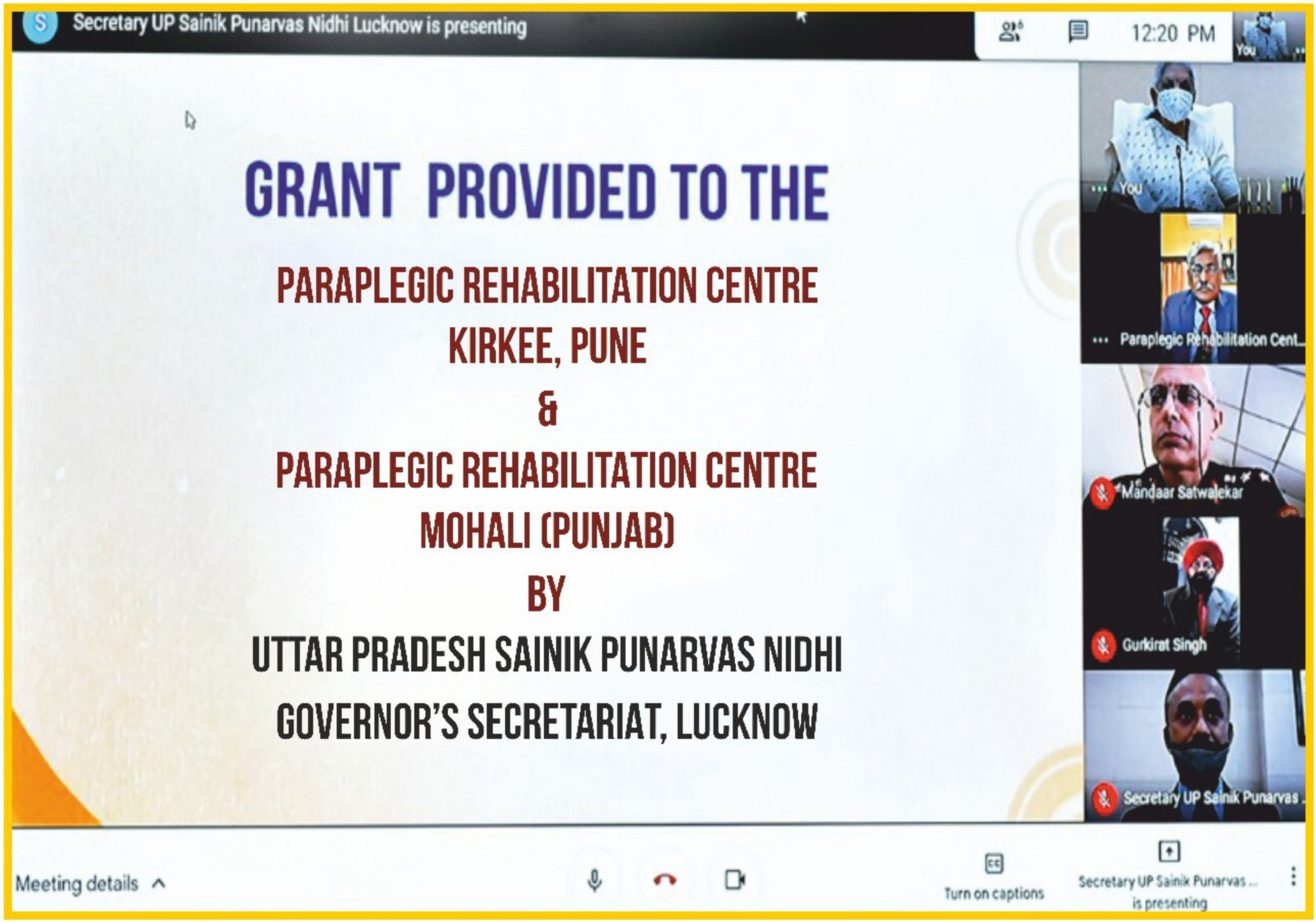

Secretary UP Sainik Punarvas Nidhi Lucknow is presenting
12:20 PM
You
GRANT PROVIDED TO THE
PARAPLEGIC REHABILITATION CENTRE
KIRKEE, PUNE
&
PARAPLEGIC REHABILITATION CENTRE
MOHALI (PUNJAB)
BY
UTTAR PRADESH SAINIK PUNARVAS NIDHI
GOVERNOR'S SECRETARIAT, LUCKNOW
Paraplegic Rehabilitation Cent...
Mandaar Satwalekar
Gurkirat Singh
Secretary UP Sainik Punarvas ...
Meeting details
Turn on captions
Secretary UP Sainik Punarvas ... is presenting

पैराप्लेजिक पुनर्वास केन्द्र – मोहाली

पैराप्लेजिक पुनर्वास केन्द्र – किरकी

द्वितीय विश्व युद्ध पेंशन

द्वितीय विश्व यद्ध के पूर्व सैनिकों/सैनिक पत्नियों को राज्य सरकार द्वारा रू0 6,000 प्रतिमाह प्रति पात्र की दर से त्रैमासिक पेंशन दिये जाने की व्यवस्था

स्वागत
अभिनंदन

वीरता पुरस्कार विजेताओं को एक मुश्त अनुदान

Smt. Kaushalya Devi
Fifteen Lakhs Rs. Only
₹ 15,000.00/-

वीर नारियों को एकमुश्त अनुदान

युद्ध में शहीद हुए सैनिकों/अधिकारियों की विधवाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक मुश्त अनुदान का भुगतान किया जाता है।

मेरा अभिमान तिरंगा

ज़िला सैनिक बन्धु बैठक

ज़िला सैनिक बन्धु का गठन 20 सितम्बर 2008 को सैनिकों की प्रशासनिक समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए किया गया। प्रत्येक ज़िला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में प्रत्येक माह इसकी एक बैठक की जाती है, जिसकी अध्यक्षता जनपद के ज़िला अधिकारी या उनके द्वारा नामित कोई अन्य अधिकारी करते हैं।

सैनिक बन्धु बैठक – गोरखपुर

महात्मा विदुर
सभागार
बिजनौर

सैनिक बन्धु बैठक – कानपुर नगर

पूर्व सैनिक पुर्नमिलन समारोह – वाराणसी

सैनिक पुर्नमिलन सम्मेलन – कौशाम्बी

सैनिक पुनर्मिलन सम्मेलन – कन्नौज

ज़िला सैनिक कल्याण का जीर्णोद्धार

अधिकारी कार्यालय
जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास मेरठ
स्थापित-1945

बरेली

कार्यालय
जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास
बरेली
कार्यालय
जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास

कार्यालय
जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, महोबा

महोबा

वीरता पदक विजेताओं को सम्मानित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0

विजय दिवस
पर कार्यक्रम

विजय दिवस कार्यक्रम, गाज़ियाबाद

कारगिल विजय दिवस

मेरी माटी मेरा देश

मुख्यालय, मध्य कमान लखनऊ मे वीर नारियों का सम्मान

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अन्तर्गत वीर नारियों एवम् शहीद आश्रितों को सम्मानित करते हुए

77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार की प्रेरणा से आज़ादी का अमृत महोत्सव के
अन्तर्गत गोरखपुर के पूर्व सैनिकों द्वारा मोटर साइकिल रैली का आयोजन

SBI
IFSC CODE
SMT. SAVITA KALA
FIFTY LAKHS ONLY

36 UPBN NCC B.S.R.

पुस्तक विमोचन

माननीय मुख्यमन्त्री द्वारा 'स्मारिका' का विमोचन

महामहिम राज्यपाल महोदया द्वारा 'शौर्य और पराक्रम' पुस्तक का विमोचन

माननीय मुख्यमन्त्री द्वारा 'वीरता और सम्मान' पुस्तक का विमोचन

प्रमुख सचिव, सैनिक कल्याण द्वारा 'निर्देशिका' और 'विरासत' पुस्तक का विमोचन

31वीं केन्द्रीय सैनिक बोर्ड की बैठक

IK BOARD MI
DELHI

राष्ट्र एक धर्म अनेक

एकता से विजय

उत्तर प्रदेश के शूरवीर

विक्टोरिया क्रास

प्रथम विश्व युद्ध विक्टोरिया क्रास स्वर्गीय नायक छत्ता सिंह – 1886–1961

स्वर्गीय नायक छत्ता सिंह वीसी (1336–28 28 मार्च 1961) ग्राम विकास खांडतिलसाड़ जिला–कानपुर के निवासी थे, उन्हें प्रथम विश्व युद्ध में 13 जून 1916 को क्रास से सम्मानित किया गया था।
विक्टोरिया क्रास दुश्मन के सामने वीरता के लिए सर्वोच्च और सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।

लेफ्टिनेन्ट जनरल प्रमेन्द्र सिंह भगत पी. वी. एस. एम., वी. सी. – 1918–1975

लेफ्टिनेन्ट जनरल प्रमेन्द्र सिंह भगत, पी. वी. एस. एम., वी. सी. का जन्म – 14 अक्टूबर 1918 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जनपद में हुआ था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सूडान सेक्टर में लड़ते हुए आपने अदम्य साहस का परिचय दिया, जिसके कारण ब्रिटिश सरकार द्वारा विक्टोरिया क्रास से आपको सम्मानित किया गया।

परम वीर चक्र

नायक
जदुनाथ सिंह

कम्पनी क्वार्टर
मास्टर हवलदार
अब्दुल हमीद

परम वीर चक्र

सूबेदार मेजर
(आनरेरी कैप्टन)
योगेन्द्र सिंह यादव

कैप्टन
मनोज कुमार पांडेय

महावीर चक्र

लांस हवलदार
दया राम

सेकेण्ड लेफ्टीनेन्ट
श्यामल देव गोस्वामी

मेजर
शेर प्रताप सिंह श्रीकेन्त

लांस नायक
राम उग्रह पांडेय

लेफ्टीनेन्ट कर्नल
राज कुमार सिंह

ब्रिगेडियर
कैलाश प्रसाद पाण्डेय

कैप्टन
महेंद्र नाथ मुल्ला

मेजर
जयवीर सिंह

लेफ्टीनेंट कर्नल
इन्द्र बल सिंह बावा

महावीर चक्र

मेजर
आसाराम त्यागी

मेजर
सुशील कुमार माथुर

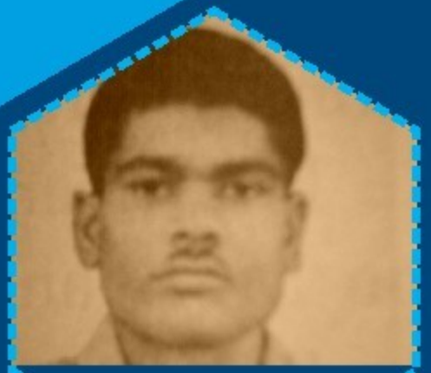

लांसनायक
दृगपाल सिंह

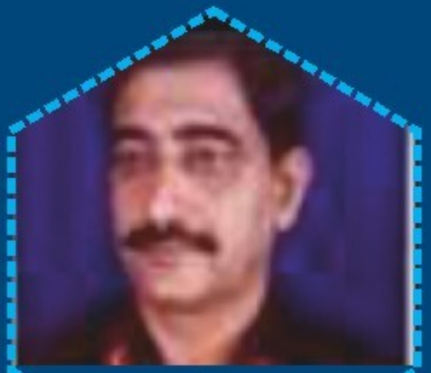

मेजर
अमरजीत सिंह बल

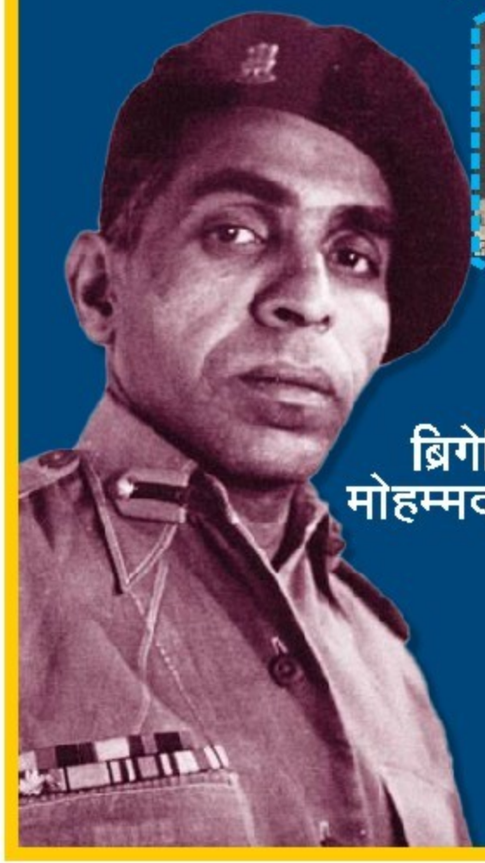

ब्रिगेडियर
मोहम्मद उस्मान

मेजर
धरमवीर सिंह

ऐयर चीफ़ मार्शल
एस के कौल

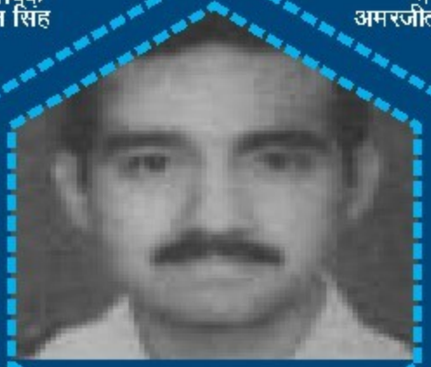

लेफ़्टीनेंट
अरविन्द सिंह

मेजर
कृष्ण गोपाल चटर्जी

कैप्टन
गुरजिंदर सिंह सूरी

वो गाँव जहाँ हर घर से निकलते हैं सैनिक

कादराबाद : अफज़लगढ़ कॉलोनी (जनपद बिजनौर)

अफज़लगढ़ कालोनी में प्रमुख सामुदायिक संस्थान और ग्रामीण सेवाएं मुख्यालय गांवों में केंद्रित हैं। यहां की कुल आबादी लगभग 7000 है। वर्तमान समय में लगभग 300 लोग सेना में सेवारत हैं और सेवानिवृत्त सैनिकों की संख्या लगभग 400 तथा दिवंगत सैनिकों की पत्नियों की संख्या लगभग 150 है।

गहमर (जनपद गाज़ीपुर)

ज़िला मुख्यालय गाज़ीपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर गंगा नदी की गोद में बसा गांव गहमर एशिया का सबसे बड़ा सैनिक गांव माना जाता है, जिसकी कुल जनसंख्या 1.27 लाख है। यह 8 वर्ग मील में फैला हुआ है और 22 टोलों में बंटा है। ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार इस गांव को सन् 1530 में कुसुम देव राव ने सकरा डीह नामक स्थान पर बसाया था।

रूदमुली (जनपद आगरा)

प्रथम विश्व युध्द में रूदमुली गांव के 82, द्वितीय विश्व युध्द में 90, 1947 – 48 के युद्ध में 52, सन् 1971 के युद्ध में 88 सैनिकों ने हिस्सा लिया और अब तक 12 लोग मातृभूमि की रक्षा करते हुए शहीद हो गये। वर्तमान समय में इस गांव के लगभग 210 लोग सेना के विभिन्न अंगों में सिपाही से लेकर मेजर जनरल के पदों पर देश की सेवा कर रहे हैं।

जम्मू और कश्मीर के आर एस पुरा सेक्टर का नाम इसी गांव के ब्रिगेडियर रणबीर सिंह के नाम पर नाम रखा गया है ।

सैदपुर (जनपद बुलन्दशहर)

प्रथम विश्वयुद्ध में गांव के 155 सैनिकों को जर्मनी भेजा गया। इन 155 जवानों में से 29 जवान लड़ते हुए शहीद हो गए 1965 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध में सैदपुर के कैप्टन सुखबीर सिंह पंजाब के खेमकरण में लड़ते हुए शहीद हुए थे। सन् 1971 के युद्ध में गांव के विजय सिरोही व मोहन सिरोही एक ही दिन शहीद हुए थे। करगिल युद्ध में नायक सुरेंद्र सिंह ने बलिदान दिया था।

उदितपुर (जनपद महाराजगंज)

यह गांव जनपद महराजगंज ज़िले की फरेंदा तहसील में स्थित है। यह तहसील फरेंदा से 08 किमी, ज़िला मुख्यालय महराजगंज से 38 किमी तथा भारत नेपाल सीमा से इसकी दूरी लगभग 55 किलोमीटर है। यह गोरखपुर सोनौली मार्ग पर स्थित है। इसकी कुल जनसंख्या 600 है और गांव में करीब 75 घर हैं।

पचवस (जनपद बस्ती)

सैनिक गांव पचवस जनपद बस्ती मुख्यालय से 40 किमी दूर बस्ती – लखनऊ राजमार्ग पर स्थित है। इस गांव की कुल आबादी लगभग 2000 है। इस गांव को सैनिक गांव बनाने का श्रेय इसी गांव के निवासी कर्नल केसरी सिंह को जाता है।

इस गांव के सैनिकों की वीरता के लिए 01 कीर्ति चक्र, 02 सेना मेडल तथा 01 मेंशन इन डिस्पैच प्रदान किया गया है।

FIELD MARSHAL K M CARIAPPA, OBE
FIRST COMMANDER-IN-CHIEF
INDIAN ARMY

जय
हिन्द

निदेशालय सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, उत्तर प्रदेश करियप्पा भवन,
पद्मश्री मोना चन्द्रावती मार्ग कैसरबाग, लखनऊ